Hindi Diary/हिन्दी डायरी

IIT हैदराबाद-सभी IITs के बीच BTech बायोमेडिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम शुरू करने वाला अग्रणी संस्थान

श्री सारांश खंडेलवाल

तकनीकी अधीक्षक, जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

KID: 20220106

IITH में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग एक उच्च अंत:विषय विभाग है जो मानवता के सामने आने वाली भव्य स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर काम कर रहा है। विभाग उत्साही दिमागों को सक्रिय करने के लिए विभिन्न फोकस क्षेत्रों में आकर्षक और गतिशील स्नातक, स्नातक और डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करता है। हम 11 फैकल्टी, 9 स्टाफ सदस्य, 36 अंडर ग्रेजुएट, 27 पोस्ट ग्रेजुएट और 100 पीएचडी छात्रों और गिनती के साथ एक विभाग हैं।

बीएमई @ आईआईटीएच ने देश में पहली बार बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (बीटेक-बीएमई) में एक अद्वितीय बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी प्रोग्राम शुरू किया है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा और उत्साही दिमागों को स्वास्थ्य सेवा के रोमांचक क्षेत्र से परिचित कराना और सभी के लिए सुलभ, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के पथ प्रदर्शक और सक्षम बनाना है। हम प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और स्वास्थ्य-तकनीक नवप्रवर्तनकर्ताओं में उद्यमियों को प्रदान करने की उम्मीद करते हैं।

मेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन और सिस्टम बायोलॉजी जैसे मुख्य क्षेत्रों के साथ, हमारा कार्यक्रम हेल्थकेयर डेटा एनालिटिक्स, चिकित्सा डेटा मॉडलिंग और सिमुलेशन, 3 डी बायो-प्रिंटिंग, मेडिकल ऑप्टिक्स और इमेजिंग, नैनोमेडिसिन, न्यूरोटेक्नोलॉजी, बायोमैकेनिक्स, न्यूरोमॉर्फिक इंजीनियरिंग जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में विशेषज्ञता के लिए कई वैकल्पिक संग्रह प्रदान करता है।

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम इंजीनियरिंग के लगभग सभी नियमित डोमेन को परिचयात्मक पृष्ठभूमि प्रदान करता है चाहे वह इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटेशनल, मैकेनिकल या जैव प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग हो। इस पाठ्यक्रम की खूबी यह है कि व्यक्ति वास्तव में उस तेजी से बढ़ते उद्योग की गतिशीलता से जुड़ जाता है जिसे सभ्यता के अंत तक, स्वास्थ्य उद्योग तक कभी भी गिरावट का सामना नहीं करना पड़ सकता है।

दहेज की मंडी

श्रीमती एस वी श्री देवी

अनुभाग अधिकारी, मानव संसाधन अनुभाग

KID: 20220107

जग की अनोखी रीत को देखो।
कोई न कोई इस प्रथा को रोको।।

वाह रे नसीब एक लड़की के बाप का।
खुद अपने दिल के टुकड़े को बेचना पड़ रहा है
लाड़ली खोते हुए साथ में माल भी देना पड़ रहा है
जोड़-जोड़ के जितना कमाया, एक झटके में उससे हाथ धोना पड़ रहा है
फिर भी अपनी बच्ची की सलामती की भीख हर रोज मांगना पड़ रहा है।

भीख का यह सुंदर रूप है
मांग का यह विनम्र स्वरुप है
देने वाले की दुखती जान है।
लेने वाले की अकड़ और शान है ।

क्यों सहे । कब तक सहे
इस जुल्मी धारा में हम क्यों बहे...
कही न कही तो ये जुल्म रुकना चाहिए
दहेज मांगते हुए दिल दुखना चाहिए|

आओ चलो नारा लगाए .. डट कर इसको दूर भगायें
लड़की कोई पुतली नहीं ....कड़क नोटों की पोटली नहीं
लड़की किसी पे बोझ नहीं....बिकने वाली कोई चीज नहीं|

घर-घर में नारा लगाओ
लड़की को पढ़ाओ-लिखाओ सशक्त बनाओ
अपने बल पे आगे बढ़ने की तरकीब सिखाओ
सिर्फ सुंदर ही नहीं....भड़कती हुई चिंगारी भी बनाओ
दहेज की मंडी को जड़ से मिटाओ|